चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....
दिनांक ..30.7.2015.. पृष्ठ सं. ....5.... कॉलम ....1-3....

एचएयू में बनाई अंतरराष्ट्रीय स्तर की लैब का शुभारंभ, एक करोड़ के यंत्र होंगे प्रयोग

एचएयू में मॉलेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब, रोग प्रतिरोधी किस्में होंगी विकसित

- एक अलग लैब बनेगी, जिसमें 24 घंटे हो सकेगी रिसर्च

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में ऐसी किस्में तैयार की जा सकेंगी, जिनकी रोगों से लड़ने की क्षमता अधिक हो, जो सूखा और पाले की मार भी झेल पाएं। यह सभी क्षमता एक विशेष कारण से आएंगी।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एग्रीकल्चर कॉलेज के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग डिपार्टमेंट में अंतरराष्ट्रीय स्तर की मालेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब स्थापित की गई है। इसमें करोड़ रुपए से अधिक के उपकरण लगे हैं, जिसमें अजैविक दवाव से बचाव के लिए किस्म विकसित करने की प्रक्रिया और अधिक तेज करने के लिए रियल टाइम पॉलीमरेज चेन रिएक्शन आदि काम संभव हो सकेंगे। लैब का सोमवार को कुलपति प्रो. केपी सिंह ने शुभारंभ किया। लैब इंस्टीट्यूशनल डिवेलपमेंट प्लॉन (आईडीपी) के तहत स्थापित की गई है।

हिसार | एचएयू के कृषि महाविद्यालय में जेनेटिक एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग में नई लैब में उपकरणों को देखते कुलपति प्रो केपी सिंह।

एचएयू 24 करोड़ के प्रोजेक्ट में संसाधन कर रहा डेवलप

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि आईसीएआर ने राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचइपी) के तहत स्ट्रेंथनिंग इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी टू प्रोड्यूस स्किल्ड प्रोफेशनल फॉर मार्केट ड्राइवन एग्रीकल्चर के तहत इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लॉन (आईडीपी) के विषय पर 24.83 करोड़ रुपए की एक परियोजना विश्वविद्यालय में चल रही है। इसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढांचे एवं प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नए संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

बिना रुके 24 घंटे तक की जा सकेगी रिसर्च

कई विदेशी शिक्षण संस्थानों के साथ एचएयू एमओयू साइन कर रहा है, ऐसे में उनके साथ काम करने के लिए लैब भी उसी स्तर की रहनी चाहिए। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की और भी ऐसी लैब स्थापित की जा रही है, जिसमें ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आरगोन जैसी गैसें बिना रुकावट के उपलब्ध हो व स्थिर बिजली की सप्लाई हो। इसमें सभी विभागों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट रूम स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे छात्रों को पढ़ाने में सहूलियत हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक जागरण .....

दिनांक 30.7.2019 पृष्ठ सं. ...17..... कॉलम ...3-6.....

शुरुआत विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया उद्घाटन, एक करोड़ रुपये है लैब के उपकरणों की कीमत

एचएयू में अंतरराष्ट्रीय ब्रीडिंग रिसर्च लैब शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार : अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुके चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अब अनुसंधान को लेकर भी विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही है। इसी के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग में अंतरराष्ट्रीय स्तर की मालेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब का उद्घाटन हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह द्वारा किया गया। यह लैब इंस्टीटयूशनल डेवलपमेंट प्लॉन (आइडीपी) के तहत स्थापित की गई है। इस लैब में अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक करोड़ से ज्यादा के उपकरण लगाए गए हैं। जिनमें रोग प्रतिरोधी किस्में विकसित करने, सूखा, पाला आदि अजैविक दबाव से बचाव के लिए किस्म विकसित करने की प्रक्रिया को और अधिक तेज करने के लिए उपयोगी होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय अब सही दिशा में प्रगति कर रहा है। इसका श्रेय विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व हरियाणा के किसानों को जाता है। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आइसीएआर) ने इस विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (बूनएएचइपी) के तहत स्ट्रेंथनिंग इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी टू प्रोड्यूस स्किल्ड प्रोफेशनल फार मार्केट ड्राइवन एग्रीकल्चर के अंतर्गत इंस्टीटयूशनल डेवलपमेंट प्लॉन (आइडीपी) के विषय पर 24.83 करोड़ रूपए की एक परियोजना विश्वविद्यालय चल रही है।

एचएयू मे लैब का उद्घाटन करते कुलपति केपी सिंह । • जागरण

रोग प्रतिरोधी किस्में विकसित करने में सहायक लैब

उपकरणों में किरियल टाइम पोलीमरेज चेन रिएक्शन, पौधों में सुक्ष्तम स्तर पर फर्क जानने के लिए फ्रेगमेंट एनालाइजर, पीसीआर, नैनोड्राप स्पेक्ट्रो फोटो मीटर, इनफरारेड थर्मामीटर, डीआयोनाइसड वाटर प्योरीफायर, जैल इलेक्ट्रोफोरेसिस, डिजिटल माइक्रोस्कोप आदि उपकरणों द्वारा शोध कार्यों में प्रगति लाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 30.7.2019 पृष्ठ सं. ....6..... कॉलम ....3-4.....

अंतरराष्ट्रीय स्तर की मॉलिक्यूलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब का उद्घाटन

एचएयू के वैज्ञानिक बोले- रिसर्च पूरी करने में लगेगा कम समय

पोस्ट ग्रेजुएट लैब का उद्घाटन करते प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (एचएयू) के एग्रीकल्चर कॉलेज में एक आधुनिक लैब स्थापित की गई है। इस लैब में ऐसे उपकरण लगाए गए हैं, जिनकी मदद से कम समय में नई किस्में विकसित की जा सकेंगी।

एचएयू के वैज्ञानिकों की मानें तो इन उपकरणों की मदद से ब्रीडिंग प्रक्रिया को काफी कम समय में पूरा किया जा सकेगा, जिससे रिसर्च पूरी करने में पहले की बजाय कम समय लगेगा। यूनिवर्सिटी के एग्रीकल्चर कॉलेज के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग डिपार्टमेंट स्थापित की गई अंतरराष्ट्रीय स्तर की मॉलिक्यूलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब का उद्घाटन सोमवार को कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। यह लैब इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (आईडीपी) के तहत स्थापित की गई है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की तरफ से 24.83 करोड़ रुपये की एक परियोजना विश्वविद्यालय में चल रही है। उन्होंने बताया कि इस लैब में अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक करोड़ से ज्यादा के उपकरण लगाए गए हैं, जिनमें रोग प्रतिरोधी किस्में विकसित करने, सूखा, पाला आदि अजैविक दबाव से बचाव के लिए किस्म विकसित करने की प्रक्रिया को और अधिक तेज करने के लिए रियल टाइम पोलीमरेज चेन रिएक्शन, पौधों में सूक्ष्म स्तर पर फर्क जानने के लिए फ्रेगमेंट एनालाइजर, पीसीआर, नैनोड्राप स्पेक्ट्रो फोटो मीटर, इनफरारेड थर्मामीटर, डीआयोनाइसड वाटर प्योरीफायर, जैल इलेक्ट्रोफोरेसिस, डिजिटल माइक्रोस्कोप, ड्राई बाथ, स्पैड, एनडीवीआई आदि उपकरणों द्वारा शोध कार्यों में प्रगति लाई जाएगी। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज, डॉ. एमके गर्ग, एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन डॉ. केएस ग्रेवाल, लैब के इंचार्ज डॉ. मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक ट्रिब्यून......
दिनांक ...30.7.2017 पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...2...

हकृवि को मिली मालेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब

हिसार, 29 जुलाई (निस)

अंतराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुके चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अब अनुसंधान को लेकर भी विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही है। इसी के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मॉलेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह द्वारा किया गया। यह लैब इंस्टीट्यूशनल डिवेल्पमैंट प्लॉन (आईडीपी) के तहत स्थापित की गई है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि शैक्षणिक ढांचे एवं प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नए संसाधन जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की और भी ऐसी लैब स्थापित की जाएंगी, जिसमें आक्सीजन, नाइट्रोजन व आरगोन जैसी गैसें बिना रुकावट के उपलब्ध हों, 24 घंटे बिना रुकावट के शोध कार्य हो सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... दैनिक जागरण ....

दिनांक 30.7.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 1

हकृवि में मॉलेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब आरंभ

हिसार। हकृवि के कृषि महाविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग में अंतराष्ट्रीयस्तर की मालेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब का उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह द्वारा किया गया। यह लैब इंस्टीट्यूशनल डिवेल्पमेंट प्लॉन के तहत स्थापित की गई है। विवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि आइसीएआर ने विवि को एनएएचइपी के अंतर्गत स्ट्रेंथनिंग इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी टू प्रोडयूस स्किल्ड प्रोफेशनल फार मार्केट ड्राइवन एग्रीकल्चर के अंतर्गत आईडीपी के विषय पर 24.83 करोड़ रुपये की एक परियोजना विश्वविद्यालय में चल रही है। प्रो. सिंह ने बताया कि इस परियोजना में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढांचे एवं प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नए संसाधन जुटाए जा रहे हैं। विवि में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की और भी ऐसी लैब स्थापित की जाएगी। जिसमें आक्सीजन, नाइट्रोजन व आरगोन जैसी गैसे बिना रूकावट के उपलब्ध हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक हिसार....
दिनांक 29.7.2019 पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...1-3...

कुलपति ने मालेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब का उदघाटन किया

हिसार : 29 जुलाई : अंतराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुके चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अब अनुसंधान को लेकर भी विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही है। इसी के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग में अंतराष्ट्रीय स्तर की मालेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब का उद्घाटन हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह द्वारा किया गया। यह लैब इंस्टीट्यूशनल डिवेल्पमैंट प्लॉन (आईडीपी) के तहत स्थापित की गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अब सही दिशा में प्रगति कर रहा है। इसका श्रेय विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व हरियाणा के किसानों को जाता है। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आइसीएआर) ने इस विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचइपी) के अंतर्गत स्ट्रेंथनिंग इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी टू प्रोड्यूस स्किल्ड प्रोफैशनल फार मार्केट ड्राइवन एग्रीकल्चर के अंतर्गत इंस्टीट्यूशनल डिवेल्पमैंट प्लॉन (आईडीपी) के विषय पर 24.83 करोड़ रूपए की एक परियोजना विश्वविद्यालय में चल रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नित्य शक्ति टाइम्स....
दिनांक ..29.7.2019.. पृष्ठ सं. ....8.... कॉलम ..1-6..

अनुसंधान के लिए मिलेंगी विश्व स्तरीय सुविधाएं : केपी

कुलपति ने किया अंतराष्ट्रीय स्तर की मालेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब का उद्घाटन

हिसार, 29 जुलाई (निस)। अंतराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुके हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अब अनुसंधान को लेकर भी विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही है। इसी के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग में अंतराष्ट्रीय स्तर की मालेकुलर ब्रीडिंग रिसर्च लैब का उद्घाटन हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह द्वारा किया गया। यह लैब इंस्टीट्यूशनल डिवेलपमैंट प्लॉन (आईडीपी) के तहत स्थापित की गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अब सही दिशा में प्रगति कर रहा है। इसका श्रेय विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व हरियाणा के किसानों को जाता है। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आइसीएआर) ने इस विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचइपी) के अंतर्गत स्ट्रैंथनिंग इंस्टीट्यूशनल कैपेसिटी टू प्रोड्यूस स्किल्ड प्रोफैशनल फार मार्केट ड्राइवन एग्रीकल्चर के अंतर्गत इंस्टीट्यूशनल डिवेल्पमैंट प्लॉन (आईडीपी) के विषय पर 24.83 करोड़ रुपए की एक परियोजना विश्वविद्यालय में चल रही है।

प्रो. सिंह ने बताया कि इस परियोजना में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढांचे एवं प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नए संसाधन जुटाए जा रहे हैं ताकि मौजूदा शिक्षा प्रणाली के मानक को श्रेष्ठ बनाने के लिए एक समग्र मॉडल विकसित किया जा सके। विश्वविद्यालय में इस प्रकार के संसाधन विकसित किए जा रहे हैं जिससे वैज्ञानिकों की कार्य क्षमता को और अधिक बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय में अंतराष्ट्रीय स्तर की और भी ऐसी लैब स्थापित की जाएगी जिसमें आक्सीजन, नाइट्रोजन व आरगोन जैसी गैसे बिना रूकावट के उपलब्ध हो, बिना रूकावट व स्थिर बिजली की सप्लाई हो ताकि 24 घंटे बिना रूकावट के शोध कार्य हो सके। उन्होंने बताया कि सभी विभागों में अंतराष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट रूम स्थापित किए जा रहे हैं जिससे छात्रों को पढ़ाने में सहूलियत हो ताकि उनके ज्ञान में अधिक से अधिक बढ़ोतरी की जा सके।

ज्ञात रहे कि इस लैब में अंतराष्ट्रीय स्तर के एक करोड़ से ज्यादा के उपकरण जिनमें रोग प्रतिरोधी किस्में विकसित करने, सूखा, पाला आदि अजैविक दबाव से बचाव के लिए किस्म विकसित करने की प्रक्रिया को और अधिक तेज करने के लिए रियल टाइम पोलीमरेज चेन रियक्शन, पौधे में सूक्ष्म स्तर पर फर्क जानने के लिए फ्रेगमैंट एनालाइजर, पीसीआर, नैनोड्राप स्पेक्ट्रो फोटो मीटर, इनफरारेड थर्मामीटर, डीआयोनाइजड वाटर प्योरिफायर, जैल इलेक्ट्रोफोरेसिस, डिजिटल माइक्रोस्कोप, ड्राई बाथ, स्पैड, एनडीवीआई आदि उपकरणों द्वारा शोध कार्यों में प्रगति लाई जाएगी।

इस दौरान कुलपति ने कृषि महाविद्यालय में छात्रों की छः वर्षीय प्रोग्राम के दाखिले हेतू चल रही काउंसलिंग का भी जायजा लिया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. बी.आर. कंबोज, कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग, तथा डीन, डायरेक्टर, अधिकारी, विभागाध्यक्ष अन्य वैज्ञानिक, कर्मचारी व छात्र उपस्थित थे। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. के.एस. ग्रेवाल ने सभी का स्वागत व धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। लैब के इंचार्ज व इस प्रोजेक्ट के लाइजन ऑफिसर डॉ. मुकेश कुमार होंगे।